स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

प्रथम पत्र – जैन आचार

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचार को परिभाषित करते हुए पंचाचार पर प्रकाश डालिए।

Define Conduct and throw light on the concept of five fold conduct.

अथवा /OR

नवतत्त्वों पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the nine elements.

प्र. 2. श्रमणाचार के महत्त्व को विस्तार से लिखिए।

Write the importance of ascetic conduct (Shramanachar) in detail.

अथवा /OR

षडावश्यक का वर्णन कीजिए।

Describe the six essential duties.

प्र. 3. श्रावक की प्रतिमाओं का वर्णन कीजिए।

Describe the (Shravak) stages of renunciation of the layman.

अथवा /OR

सल्लेखना पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Samlekhana.

प्र. 4. अनुप्रेक्षा से आप क्या समझते हैं? इसके महत्त्व को लिखिए।

What do you mean by Anupreksha. Write its importance.

अथवा /OR

प्रेक्षाध्यान के अंगों का वर्णन कीजिए।

Describe the constituents of Preksha Meditation.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any four :

(1) मोक्ष / Emancipation

(2) लेश्या / Aural Coloration

(3) गुणव्रत / Qualifying Vows

(4) अहिंसा प्रशिक्षण / Training of Non-violence

(5) अपरिग्रह / Non-Possession

(6) अणुव्रत का कार्य क्षेत्र / Field of Anuvrata.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

द्वितीय पत्र - जैन दर्शन के मौलिक तत्त्व

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन सृष्टि चिन्तन को स्पष्ट करें।

Give a brief sketch on Jain creation.

अथवा /OR

जैन धर्म ईश्वरवादी है या अनीश्वरवादी? तर्कपूर्वक सिद्ध करें।

Explain logically whether Jainism is theist or atheist ?

प्र. 2. सम्यक्दर्शन के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके आठ अंगों की चर्चा करें।

Explain the nature of Samyak Darshan and its eight limbs.

अथवा /OR

परिणामी नित्यत्ववाद को समझाते हुए उसकी प्रासंगिकता लिखें।

Write the philosophy of Permanence cum change and explain its relevance.

प्र. 3. आठ कर्मों के बन्ध के कारणों को विश्लेषित करें।

Explain the causes of eight Karmas.

अथवा /OR

कर्म को परिभाषित करते हुए कर्मबन्ध के भेद–प्रभेद की चर्चा करें।

Define the term 'Karma' and explain the sub-divisions of Karmic Bondage.

प्र. 4. अनेकान्त एवं स्याद्वाद के मध्य अन्तर स्पष्ट करते हुए स्याद्ववाद पर लिखें।

HighLight the difference between Anekant & Syadvad and explain the theory of Syadvad.

अथवा /OR

नयवाद को विस्तार से समझाइये।

Explain the concept of Nayavada.

प्र. 5. पुनर्जन्मवाद को विज्ञानसम्मत तर्क से पुष्टि करें।

Explain the concept of Rebirth with scientific logics.

अथवा /OR

पंच समवाय पर प्रकाश डालें एवं सिद्ध करें कैसे पांचों की अनिवार्यता हर कार्य सिद्धि में सहायक है?

Throw Light on the five basic components and explain how the five components are essential in the completion of any work?

♦♦♦

अथवा /OR

ह्यूम के अनुसार आत्मा का वर्णन कीजिए।

Describe the Soul (Atma) according to Hume.

प्र. 4. काण्ट के ज्ञान सिद्धान्त को लिखिए।

Write the theory of Epistomology of Kant.

अथवा /OR

डेकार्ट के अनुसार मन या आत्मा का स्वरूप क्या है? विस्तार से लिखिए।

What is nature of mind or soul according to Descartes? Write in detail.

प्र. 5. हीगेल के अनुसार द्वन्द्वात्मक विकास का वर्णन कीजिए।

Describe the Dialectical development according to Hegel.

अथवा /OR

निम्न में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–

Write short note on any four-

(क) सुकरात का राजदर्शन / Political Philosophy of Socrates

(ख) अरस्तु का नैतिक दर्शन / Moral Philosophy of Aristotle

(ग) सन्देहवाद / Confucious

(घ) ईश्वर / God

(ड) गुण (स्पिनोजा) / Attributes (Spinoza)

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

प्रथम पत्र – पाश्चात्य दर्शन एवं एशियाई दर्शन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरस्तु के तत्त्वमीमांसीय चिन्तन की व्याख्या कीजिए।

Explain the metaphysical thoughts of Aristotle.

अथवा /OR

प्लेटो की ज्ञान मीमांसा का वर्णन कीजिए।

Describe the epistomology of Plato.

प्र. 2. देकार्त के द्वैतवाद सिद्धान्त को लिखिए।

Write the theory of Dualism of Descartes.

अथवा /OR

लाईबनित्ज के दर्शन का वर्णन कीजिए।

Describe the philosophy of Libnetze.

प्र. 3. जान लॉक के द्रव्य सिद्धान्त की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

Explain in detail the theory of substance of John Locke.

अथवा /OR

प्रमाण एवं प्रमाणाभास पर चर्चा करें।

Describe organ of knowledge and its absence.

प्र. 4. अनुमान प्रमाण को सविस्तार समझाइए।

Explain inference in detail.

अथवा /OR

विभिन्न प्रकार के कारणों की चर्चा करें।

Explain different types of causes.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any four:

(1) लक्षण / Lakshan

(2) व्याप्ति / Vyapti

(3) अनेकान्त / Anekanta

(4) प्रत्यक्ष प्रमाण / Pratyaksha Praman

(5) प्रमाता / Pramata

(6) आगम / Agama

(7) अभाव / Abhava

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

द्वितीय पत्र - जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. विभिन्न दर्शनों में सर्वज्ञता की अवधारणा को लिखें।

Write the concept of omniscient in various philosophies.

अथवा /OR

निक्षेप के प्रकारों पर प्रकाश डालें।

Throw light on the types of Nikeshpa.

प्र. 2. प्रमेय का भावात्मक दृष्टि से वर्णन करें।

Explain object in terms of existence-cum-non existence principle.

अथवा /OR

सप्तभंगी शैली का वर्णन करें।

Describe the seven-fold predicative method.

प्र. 3. जैन न्याय की विशद व्याख्या करें।

Give an account of Jain logic.

अथवा /OR

सन्त थॉमस एक्वीनस के नैतिक दर्शन पर एक निबंध लिखें।

Write an essay on the moral philosophy of St. Thomas Acquivanis.

प्र. 4. लियो टॉलस्टोय का संक्षिप्त जीवन–चरित्र लिखें तथा उनके अहिंसा के चिन्तन पर प्रकाश डालें।

Write briefly the life-sketch of Leo Tolstoy and elucidate his concept of non-violence.

अथवा /OR

'अतिरिक्त मूल्य का सिद्धान्त हिंसा पर आधारित है' स्पष्ट करें।

'Value of surplus money is based on violence' Explain.

प्र. 5. मार्टिन लूथर किंग जू.के. अनुसार अहिंसा की अवधारणा लिखें।

Write the concept of non-violence according to Martin Luthar King Jr.

अथवा /OR

निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any two of the following :

(अ) सविनय अवज्ञा आन्दोलन / Civil Disobedience

(ब) इतिहास की आर्थिक व्याख्या का सिद्धान्त /

Theory of Economic Inter pretation of History

(स) यहूदी धर्म का मृत्यु पश्चात जीवन विचार / Life after death in Judaism

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

प्रथम पत्र – अहिंसा और शान्ति – भारतीयेतर दृष्टि

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मूसा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालें।

Elucidate the life-sketch of Moses.

अथवा /OR

ईसाई धर्म में प्रतिपादित नैतिक मूल्यों का वर्णन करें।

Describe the moral values propounded in Christianity.

प्र. 2. ईसाई धर्म में त्रयेक ईश्वर की अवधारणा को विस्तार से लिखें।

Write in detail the concept of Trinity in christianity.

अथवा /OR

इस्लाम में सूफीवाद की विशेषताओं का वर्णन करें।

Describe the characteristics of Sufism in Islam.

प्र. 3. 'इस्लाम की सामाजिक व्यवस्था अहिंसा पर आधारित है' स्पष्ट करें।

'Islamic Social order is based on non-violence'. Explain.

प्र. 3. अध्यात्म और नैतिकता के सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

Discuss the relation between spirituality and morality.

अथवा /OR

आधुनिक परिप्रेक्ष्य में नैतिक विकास की आवश्यकता पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखो।

Write a critical note on need of moral development in present perspective.

प्र. 4. सामाजिक विकास के लिए अणुव्रत आन्दोलन के अन्तर्गत संपादित कार्यों की व्याख्या कीजिए।

Explain the main works which has been done for social development in Anuvrat Movement.

अथवा /OR

अणुव्रत आन्दोलन के अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on international nature of Anuvrat Movement.

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any two of the following :

(अ) राष्ट्रीय एकता / National Integration

(ब) आध्यात्मिक समतावाद / Spiritual Similarity

(स) अहिंसक समाज / Nonviolent Society.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

द्वितीय पत्र – अहिंसा एवं अणुव्रत

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अणुव्रत के दार्शनिक स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Discuss the philosophical nature of Anuvrat.

अथवा /OR

प्रतिरोधात्मक शक्ति के रूप में अणुव्रत की व्याख्या कीजिए।

Describe Anuvrat as a resistance power.

प्र. 2. अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक के जीवन चरित्र की संक्षेप में विवेचना करो।

Discuss in brief the life sketch of the propounder of Anuvrat Movement.

अथवा /OR

अणुव्रत आन्दोलन के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए अणुव्रती की विशेषताएँ लिखिए।

Write down the main characteristics of an Anuvrati. Explain the objectives of Anuvrat Movement.

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रथम पत्र - रीतिकालीन काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - 21

(क) भौरनिं ज्यों भ्रमत रहति बन बीथिकनि,
हंसिनि जयों मृदुल मृणालिका चहति है।
हरिनि ज्यों हेरति न केशरि के काननहिं,
केकी सुनि ब्याल जों बिलान ही चहति है।
पीउ–पीउ रटति रहति चित चातकी ज्यों,
चंद चितै चकई ज्यों चुप हवै रहति है।
सुनहुँ नृपति राम विरह तिहारे ऐसी,
सुरति न सीता जू की मूरत गहति है।

(ख) जो जैसे तिहि तैसिये, करियेनीति प्रकाश।
काठ कठिन भेदे भ्रमर, मृदु अरविन्द निवास।

(ग) अति सुधो सनेह को मारग है,
जहाँ नेकु सयापन बांक नहीं।
तहाँ साँच चलै तजि आपुनपौ,

झिझकै कपटी जे निसांक नहीं।
घन आनन्द प्यारे सुजान सुनौ,
इत एक तै दूसरों आँक नहीं।
तुम कौन धौं पीटि पढ़े हौं लला,
मनु लेहुँ पै देहु छटांक नहीं।

(घ) उँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी,
उँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती है।
कन्द मूल भोग करै कन्द मूल योग करे,
तीन बेर खातीं ते वै तीनि बेर खाती है।
'भूषण' सिथिल अंग, भूषण सिथिल अंग,
विजन डुलाती ते वै विजन डुलाती हैं।
'भूषण' भनत सिवराज वीर तैरे त्रास,
नगन जड़ाती ते वै नगन जड़ाती है।।

प्र. 2. 'बिहारी ने सतसई में गागर में सागर भरा है।' प्रस्तुत कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए? 9

अथवा

'घनानन्द प्रेम की पीर के कवि थे।' इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

प्र. 3. आचार्य देव की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

आचार्य महाकवि मतिराम के काव्य–सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 4. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

अथवा

रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्र. 5. रीतिकालीन प्रेरक परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

रीतिकाल के नामकरण पर विचार करते हुए कोई एक तर्कयुक्त नाम सुझाइये?

प्र. 6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये। 10

(क) रस का अर्थ एवं रससूत्र

(ख) रस सिद्धान्त के अन्तर्गत संचारी भाव

(ग) अलंकार का स्वरूप

(घ) रीतिकाव्य परम्परा में अलंकार।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

द्वितीय पत्र – नाट्य एवं निबन्ध साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 24

(क) ''यह क्या राजपूतों की तलवारें आपस में ही चल पड़ी? अपनी बहादुरी की परीक्षा भाई–भाई की गरदन पर करने के बजाय शत्रुओं पर करो। आज समस्त मेवाड़ मुगल सेना के आतंक से आक्रान्त हो रहा है। आपसी भेदभाव भुलाकर एक बार अपनी शक्ति संगठित करो और मुगलों को मेवाड़ से निकाल बाहर करो। ''

अथवा

शायद यह राणा न हो कोई छलिया उनके रूप में धोखा देने आया हो। वह ऐसे कायर न थे। उनकी रंगों में न हारने वाली शक्ति, उनके लहू में न बुझने वाली अग्नि, उनकी भुजाओं में न झुकने वाली ताकत थी। मैंने उनको निकट होकर देखा है। मैंने उनका दिल पढ़ा है। वे सूरमा थे। उनको आन प्यारी थी, उनको जान प्यारी न थी।

(ख) हिन्दुओं पर जो अत्याचार हुए हैं, उन्हें सुनकर तुम्हारा रक्त खौल उठा है। बहादुर बनो। हमारे अन्दर अहिंसा की बहादुरी है। वह बहादुरी केवल मरने की

शिक्षा देती है, मारने की नहीं। यह जगत प्रतिक्षण बदलता है। इसमें संहार की इतनी शक्तियाँ है कि कोई स्थिर नहीं रह सकता, परन्तु फिर भी मनुष्य जाति का संहार नहीं हुआ, इसका अर्थ यह है कि सब जगह अहिंसा ओत–प्रोत है। मैं उसका दर्शन करता हूँ। गुरुत्वाकर्षण के समान, अहिंसा संसार की सारी चीजों को अपनी और खींचती है।

अथवा

तुम दोस्त नहीं हो सकते। यह नदी देख रहे हो। उसके घड़ियाल हमारे दोस्त हैं। वे घड़ियाली आँसू नहीं बहाते। नदी की मछलियों के साथ हम तैरते हैं। यह जंगल, पहाड़, दरखत ये दोस्त हैं हमारे।

(ग) आप कोई ऐसा मार्ग बतायें जो सबके लिये हो, जिस पर गृहस्थ भी चल सके, साधु भी चल सके, हिन्दु भी, तुर्क भी, वह तपस्या की बात करने लगे। मैंने कहा, महाराज! तपस्या का अधिकार तो केवल ब्राह्मण और क्षत्रिय को है। इस पर वह ज्ञान मार्ग पर आ गये। कहने लगे 'वेद किताब पढ़े सो ज्ञानी'। मैंने छूटते ही कहा, महाराज! नीच जात का आदमी वेद कहाँ पढ़ सकता है, वह तो उसे हाथ भी नहीं लगा सकता।

अथवा

जब तक किसी की नजर में एक ब्राह्मण है एक तुर्क, तब तक वह इन्सान को इन्सान नहीं समझेगा। मैं इन्सान को इन्सान के नाते गल लगाने के लिये मन्दिर के सारे पूजा पाठ व अनुष्ठान छोड़ता हूँ और मस्जिद के राजा नमाज भी छोड़ता हूँ। मैं इन्सान को इन्सान के रूप में देखना चाहता हूँ।

प्र. 2. 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के कथानक के गुण दोषों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के जिस पात्र ने आपको प्रभावित किया हो, उसका चरित्र–चित्रण कीजिए। 08

प्र. 3. 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के आधार पर नूरा का चरित्र–चित्रित कीजिए। 08

प्र. 4. 'धरोहर' एकांकी के मुख्य पात्र की चरित्रगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'समाज दर्पण' एकांकी में लेखक ने आधुनिक समाज का यथार्थ चित्रण किया है। स्पष्ट कीजिए। 08

प्र. 5. हिन्दी–नाटकों के इतिहास में भारतेन्दु के योगदान की समीक्षा कीजिए।

अथवा

द्विवेदी युगीन एकांकियों की विशेषताएं सविस्तार लिखिये। 12

प्र. 6. एकांकी की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न स्वरूपों का विवेचन कीजिए।

अथवा

भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य तत्वों का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए। 10

♦♦♦

B.A. SECOND YEAR EXAMINATION 2011
(CORRESPONDENCE COURSE)
SUBJECT - ENGLISH LITERATURE
PAPER - I : POETRY AND DRAMA

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q.1. Explain the following with reference to the context: 10

(a) Sophocles long ago
Heard it an the Aegean shore
And it brought into his mind,
The turbid ebb and flow of human misery.

(b) When thou doest pour upon the world
A flood of harmony instinct more divine;
Type of who soar, but never roam
True to the kindred points of heaven and home.

2. How does Hardy differentiate the two weathers in his poem "Weathers"?

OR

"Ulysses' is a poem full of hope and determination", is it true ? Express your views. 15

Q. 3. Explain the following lines with reference to the context. 10

(a) You want me to be like you, papa
or like Rani Lakshmi Bai,

You are not sure what greatness is,
But you want we to be great
I give two donkey-claps for your greatness
And three for Rani Lakshmi Bai.

(b) Violence is a culture found on playground
Cities fall to let their children breathe.

Q. 4. What impression is created by Arun Kolatkar in his poem "Irani Restaurent'?

OR

Describe Gieve Patel's attitude to the servants in his poem, 'Servants'. 15

Q. 5. How does David Blake help the police and the daily standard to win over the problem created by Mr. Patil ?

OR

Do you agree that "Tiger's Eye' is not only a story of wild life but a successful drama too. Discuss. 10

Q. 6. Find out and underline the prepositional phrases in the following sentences : 10

(i) I would like to speak to Mr. Roy please, if he is there.

(ii) Yes he is I'll put you through him.

(iii) Mr. Rasheed thinks that the daily standard should not go on publishing Yesman's articles.

(iv) Vays thanks that David should keep away from Pali.

(v) Before Le sees Patil, inspector Shah wants to think over what questions will he ask.

(vi) David will stay on in Cochin until Mr. Roy tells him to come back to the office.

(vii) Patil is worried that Vayu might give away some of his secrets.

(viii) Inspector Shah has found out many interesting things from Guru Swami.

(ix) Vayu is frightened that Patil will burn down her father's shop.

(x) Professor Prasad is looking after the tigers eye shop in Madurai.

♦♦♦

B.A. SECOND YEAR EXAMINATION 2011
(CORRESPONDENCE COURSE)
SUBJECT - ENGLISH LITERATURE
PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Attempt any four of the following questions in not more 100 words each. 4x3=12

(i) Why did Rosemary decide to take the beggar girl home ?

(ii) What conditions did Burton put before he agreed to give his friend a job ?

(iii) How did Mr. Dhanda help Mr. and Mrs. Bhandari ?

(iv) Comment upon the attitude of Mr. Shamnath and his wife towards Shamnath's mother.

(v) Why did Sonaba's big buffalo die and how did he appease the churail ?

Q. 2. Answer any two of the following questions in not more than 250 words. 2 x 4 = 8

(i) "I, the embodiment of goodness ! My middle class morality stood ashamed at Gangu's courage and sincerity." Comment upon Gangu's character and middle class morality.

(ii) Critically analyse our rural superstitions and modern technology as presented in Two Red Roosters.

(iii) What were Mr. Simpson's experiences on the night he was to post the letter? What light does the incident throw on Mr. Simpson's character.

Q. 3. "Pride and Prejudice is primarily concerned with the social fabric of late eighteenth and early nineteenth century England." Critically examine the novel in the light of this statement. 15

OR

Draw a character sketch of Elizabeth Bennet.

Q. 4. Discuss Nooran - Jugga affair in the novel Train to Pakistan. 15

OR

"Train to Pakistan presents the real picture of partition of India and Pakistan." Discuss the novel in the light of this statement.

Q. 5. Explain any two of the given passages with reference to context. $2 \times 5 = 10$

(i) The great secret of true success, of true happiness, then, is this: the man who asks for no return the perfectly unselfish man, is the most successful.

(ii) I am a savage and I do not understand how the smoking iron horse can be more important than the buffalo that we kill only to stay alive. What is man without these beasts? If all the beasts are gone, man would die from a great loneliness of spirit.

(iii) On the whole, it must be admitted, we do very little. For the most part we use our time and energy to make more and better machines; but more and better machines will only give us still more time and still more energy, and what are we to do with them ?

Q. 6. What, according to Jawahar Lal Nehru, are the strength and weakness of India ? 10

OR

What are the qualities and defects of our civilization, according to C.E.M. Joad and what suggestion does the author give in this regard ?

♦♦♦

(7) ते तिहुत्तं भुंजन्ति।

(8) जडालो जणो कत्थ गच्छइ ?

(9) पढ़न्ताण बालआण इदं घरं अत्थि।

(10) अहं भयवंतस्स नमामि।

प्र. 8. अपनी इच्छानुसार प्राकृत भाषा में एक कहानी शीर्षक सहित लिखें। (लगभग 100 शब्दों में) 10

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

प्रथम पत्र - प्राकृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नांकित में से किन्हीं छः की रूपसिद्धि कीजिए । 12

अन्तेउरे, वधस्स तिण्हं, दीहं, ईसालू,
सद्दहइ, णुमज्जइ, रण्णा, मालाओ

प्र. 2. निम्नांकित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। (कोई सात) 14

(1) जश्शसोलुर्क्

(2) तदश्च तः सोऽक्लीबे

(3) जश्शस्-ङसि-ङसां णोः

(4) ऋतोद्वा

(5) द्वितीयातृतीययोः सप्तमी

(6) सप्तम्या द्वितीया

(7) त्तो दो तसो वा

(8) गोणादयः

(9) सी ही हीअ भूतार्थस्य

(10) ग्रन्थो गण्ठः

प्र. 3. निम्नांकित में से किन्हीं दो शब्दों के शब्द रूप लिखें – 6

देव, मुनि, बहू, वारि

प्र. 4. धातु रूप लिखें (कोई दो) 6

(क) नम (वर्तमान, भविष्यत्काल)

(ख) पा (भूतकाल, भविष्यत्काल)

(ग) चल (विधिआज्ञा, भूतकाल)

(घ) णे (वर्तमान भविष्यत्काल)

प्र. 5. किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 7

(1) 'भिस्म्यस्सुपि' सूत्र का तात्पर्य क्या है?

(2) 'अमोस्य' सूत्रानुसार उदाहरण लिखिए।

(3) स्त्रीलिंग शब्दों के किन्हीं तीन स्वरान्त नियमों को लिखिए।

(4) प्राकृत भाषा में षष्ठी विभक्ति के किन्हीं तीन नियमों को लिखिए।

(5) अच्छी (अक्षि), तरणी, अंजली शब्दों के लिंग लिखिए।

(6) क्रियातिपत्तेः सूत्र द्वारा क्रिया में विकल्प से क्या आदेश होता है। उदाहरण सहित लिखिए।

(7) रच् धातु के लिए कितने आदेश प्राकृत में किए गए हैं?

प्र. 6. निम्नांकित वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद कीजिए (कोई आठ) 8

(1) तप के द्वारा आत्मा जानना चाहिए।

(2) वह चोर से डरता है।

(3) हम कर्मक्षय के लिए तप करते हैं।

(4) राजा गुणवानों का बार–बार सम्मान करता है।

(5) चौथा पुरुष सुन्दर है।

(6) हम सभी भोजन करके विद्यालय जाते हैं।

(7) उन्होंने पुस्तकें पढ़ीं।

(8) मेरा नाम जानने योग्य है।

(9) वह कल श्री महावीरजी दर्शन के लिए जायेगा।

(10) तुम सभी गुरु को प्रणाम करो।

(11) आचार्य महाप्रज्ञ योगीपुरुष थे।

(12) आचार्य महाश्रमण विश्वविद्यालय के अनुशास्ता हैं।

प्र. 7. निम्नांकित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए (कोई सात) 7

(1) तुमं झाणेण पढ़ेज्जा अण्णहा सहलंण होज्जा।

(2) अणुभोयणं ते पदन्ति।

(3) चंदमुही कन्ना कस्स घरे अत्थि ?

(4) मए छत्तेण पोत्थअं पढ़ावीअइ।

(5) तत्थ छत्तेण लिहावणीअं पोत्थअं अत्थि।

(6) जुवईए साडी कीणीअउ ।

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय पत्र - अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत कथा साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। 15

(अ) तया सो इंददत्तो वि सपुत्तो तत्थ समागओ। तं गणेसपडिमं दट्ठूणं पुत्तं कहेइह्न ''हे पुत्त ! एसच्चिअ सिप्पकला कहिज्जइ। केरिसी पडिमा निम्मविआ, इमाए निम्मावगो खलु धण्णयमो सलाहणिज्जो य अत्थि। पासेसु, कत्थ वि भुल्लं खुण्णं च अत्थि ? जइ तुमं एआरिसीं पडिमं निम्मवेज्ज, तया ते सिप्पकलं पसंसेमि, नन्नहा।''

(ब) अण्णया तस्स सम्मएणं पिया सुरट्ठदेसं आगओ ववहारेणं। गिरिनयरे धणसत्थवाहस्स धूयं धणसिरिं पडिरूवेण सुंकेणं समुद्दत्तस्स वरेइ। तस्स य अन्नायं एव तिहिगहणं काऊण नियनगरं आगओ। तओ तेण भणिओ समुद्दत्तोह्न ''पुत्त ! मम गिरिनयरे भंडं अच्छइ, तत्थ तुमं सवयंसो वच्च। तओ तस्स भंडस्स विणिओगं काहामो'' त्ति वोत्तूण वयंसाण य से दारियासंबंधं संविदितं कयं।

(स) जया सा ससुरगेहे आगया तया ससुराइं धम्माओ विमुहं दट्ठूण तीए बहुदुहं संजायं। कहं मम नियवयस्स निव्वाहो होज्जा ? कहं वा देवगुरुविमुहाणं ससुराईणं धम्मोवएसो भवेज्जा, एवं सा वियारेइ।

प्र. 2. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (कोई एक) 10

(क) असंखयं जीविय मा पमायए
जरोवणीयस्स हु नत्थि ताणं।
एवं वियाणाहि जणे पमत्ते।
कण्णं विहिंसा अजया गहिंति।।

(ख) दुमपत्तए पंडुयए जहा
निवडइ राइगणाण अच्चए।
एवं मणुयाण जीवियं
समयं गोयम ! मा पमायए।।

(ग) जहा लाहो तहा लोहो,
लाहा लोहो पवड्ढ़ई।
दोमासकयं कज्जं,
कोडीए वि न निट्ठियं।।

प्र. 3. कथा के स्वरूप एवं तत्वों पर प्रकाश डालते हुए 'सिप्पिपुत्तस्स' कथा का सार अपने शब्दों में लिखिए। 13

अथवा

प्राकृत कथा साहित्य के विकास को बतलाते हुए 'पाइय गज्ज संगहो' की महत्ता का प्रतिपादन कीजिए।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6

(i) चारों वरों के पारस्परिक विवाद को किसने शान्त किया और कैसे?

(ii) सिकन्दर कौन था? वह किस उद्देश्य से अपने राज्य से निकला?

(iii) 'शिल्पीपुत्र' कथा के आधार पर सिद्ध कीजिए कि 'संतोष प्रगति का बाधक' है।

(iv) धनश्री का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(v) अमांगलिक व्यक्ति की कारूणिक व्यक्ति ने किस प्रकार सहायता की।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन शब्दों की व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 6

(i) होत्था (ii) वंदित्ता
(iii) भारिया (iv) गंतूण
(v) उवागच्छित्ता

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का हिन्दी अर्थ लिखते हुए उनका हिन्दी वाक्यों में प्रयोग करें। 10

(i) कलाकुसला (ii) निच्चं
(iii) जस (iv) निग्गओ
(v) सहेइ (vi) ठविअं
(vii) दट्ठूण (viii) असारो

प्र. 5. मूलसूत्रों में उत्तराध्ययन सूत्र का स्थान निर्धारित करते हुए उसकी महत्ता पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

दुमपत्तयं नामक अध्ययन का सार–संक्षेप प्रस्तुत करते हुए उसके दार्शनिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

♦♦♦

प्र. 2. किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें– 15

(1) 'आचारः परमो धर्मः' पर दस वाक्य संस्कृत में लिखो।

(2) तत्पुरुष समास को परिभाषित करते हुए उसके भेदों का वर्णन करें।

(3) प्रत्यय के आदि में स्थित फ्, ढ्, ख्, छ्, घ् वर्णों के स्थान पर क्या–क्या आदेश होते हैं? सोदाहरण स्पष्ट करें।

(4) द्वन्द्व समास को परिभाषित करते हुए उदाहरण से स्पष्ट करें।

(5) कारक किसे कहते हैं? प्रत्येक का उदाहरण दीजिए।

(6) 'संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्' पर दस वाक्य संस्कृत में लिखें।

प्र. 3. किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें–

(1) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या करें– 15

कर्तृकरणयोस्तृतीया, नाऽव्ययीभावादतोऽम् त्वपञ्चम्याः, तद्धितेष्वचामादेः, द्वन्द्वेघि, गर्गादिभ्योयञ्, तेनरक्तं रागात्।

(2) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों की ससूत्र सिद्धि करें– 15

आदित्यः, शिवकेशवौ, रूपवद्भार्यः, नखभिन्नः, अनुविष्णु, यथाशक्ति, भूतबलिः।

(3) किन्हीं दस वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें– 15

1. राजकुमारी नदी के पास जा रही है।
2. गौरी की वाणी शिव को अच्छी लग रही है।
3. पढ़ती हुई बालिका को फूल दो।
4. कवि राजा के गुणों का वर्णन करता है।
5. उसने पुस्तक पढ़ी।
6. पिता पुत्र को गाँव भेजता है।
7. वह पुत्र को शिला पर बैठाता है।
8. मेरे द्वारा पाठ पढ़ा जाता है।
9. फूल कोमल और सुन्दर है।
10. वह उसका मित्र है।
11. पहली कक्षा में बीस और दूसरी कक्षा में तीस छात्र पढ़ते हैं।
12. गुरु आसन को अलंकृत करता है। ♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना (कालु कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों की रूपसिद्धि कीजिए। 5 x 4 = 20

(1) निर्मक्षिकम् (2) अराजा (3) तर्जति (4) गव्यम्

(5) कनिष्ठः (6) कृत्तिकारोहिण्यौ (7) राजपुरुषः।

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच सूत्रों के सूत्रार्थ उदाहरण के साथ लिखिए।

5 x 2 = 10

(1) अव्ययीभावस्यातोऽमपञ्चम्याः (2) सिंहादिभिः पूजायाम्

(3) वृद्धिः स्वराणामादेर्ञ्णिति तद्धिते (4) कन्यायाः कनीनश्च

(5) अन्वध्याङ्भ्यो वसः (6) येनाङ्गविकारः

(7) ऋते तृतीयापञ्चम्यौ ।

प्र. 3. द्वितीया अथवा चतुर्थी विभक्ति कहाँ–कहाँ होती है? बताइए। 05

प्र. 4. कारक संज्ञा करने वाले सूत्रों के नाम लिखिए। 5 x 1 = 5

(1) कर्मसंज्ञा (2) अपादान संज्ञा (3) करण संज्ञा

(4) अधिकरण संज्ञा (5) कर्तृ संज्ञा

प्र. 5. निम्नलिखित समस्तपद के समास विग्रह कीजिए। (कोई दो) 2 x 1 = 2

(1) चित्रगुः (2) सपुत्रः (3) कुम्भकारः (4) प्रत्यर्थम्।

प्र. 6. प्रकृति, विग्रह, प्रकृति–प्रत्यय, प्रत्ययविधायक सूत्र लिखिए। (कोई छः)

$6 \times 1 = 6$

(1) नाकुलः (2) मानुष्यकम् (3) पाश्चात्यः
(4) वैयाकरणः (5) तावकम् (6) मासिकः,
(7) पार्षद्य (8) मात्रीयः।

प्र. 7. धातु रूप लिखिए। (कोई दो) $3^1/_2 \times 2 = 7$

(1) स्फूर्ज्+लट् (2) तर्ज्+लङ्
(3) गर्ज्+लुङ् (4) गुञ्ज+लुट्

प्र. 8. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में कीजिए।

$7 \times 1 = 7$

(1) राजकुमारी नदी के पास जा रही है।
(2) वे सब लिख रहे हैं।
(3) दौड़ते हुए घोड़े से शिष्य गिरा।
(4) वह लड़की यहां आई।
(5) दुर्जन सज्जन की निन्दा करता है।
(6) प्रभा हँस रही थी।
(7) पिता पुत्र से पत्र लिखवाता है।
(8) वह हिमालय पर्वत पर जाता है।
(9) मैं पर्वत पर चढ़ा।
(10) द्विजन्मा आत्मा की विवेचना करता है।

प्र. 9. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए। 8

(1) अहिंसा परमो धर्मः।
(2) सत्संगतिः।
(3) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयस।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना (लघु सिद्धान्त कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

प्र. 1. सभी प्रश्नों के उत्तर दें– 10

1. समास में प्रथमा निर्दिष्ट की संज्ञा होती है–
(अ) तत्पुरुष (ब) उपसर्ग (स) उपसर्जन (द) संज्ञा
2. उभय पदार्थ प्रधान कौन–सा समास है–
(अ) कर्मधारय (ब) द्वन्द्व (स) बहुब्रीहि (द) अव्ययी भाव
3. 'राजपुरुषः' में कौन–सा समास है–
(अ) अव्ययीभाव (ब) षष्ठी तत्पुरुष (स) द्वन्द्व (द) कर्मधारय
4. 'सह' के योग में आने वाली विभक्ति है–
(अ) पंचमी (ब) चतुर्थी (स) तृतीया (द) द्वितीया
5. कर्मवाच्य में कर्त्ता में प्रयुक्त विभक्ति है–
(अ) प्रथमा (ब) तृतीया (स) चतुर्थी (द) द्वितीया
6. 'तया हस्यते' यह किस वाच्य का वाक्य है–
(अ) भाव वाच्य (ब) कर्त्त वाच्य (स) कर्म वाच्य (द) इनमें से कोई नहीं।
7. 'क्रूधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोयः' से संज्ञा होती है–
(अ) कर्त्ता (ब) कर्म (स) करण (द) सम्प्रदान
8. 'ढ़क' प्रत्यय का उदाहरण है–
(अ) वैनतेयः (ब) सुरेशः (स) लघुतमः (द) पेयम्
9. 'अचो यत्' सूत्र का उदाहरण है–
(अ) चेयम (ब) खिन्नं (स) कटुता (द) लघीयान्
10. 'आदित्यः' में प्रत्यय है–
(अ) तव्यत् (ब) ण्य (स) इञ् (द) क्त

(4) अग्नि उष्ण होती है और जल शीतल।

(5) वह सत्य पर विचार करना चाहता है।

(6) विद्यार्थी योगी और त्यागी की पूजा करता है।

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखें– 07

(1) सदाचारः।

(2) देशभक्तिः।

(3) सन्तोषः।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

द्वितीय पत्र – काव्य नाटक, कोश, छंद एवं अलंकार

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित रूपों में से किन्हीं पाँच रूपों की सिद्धि करें– 12

(1) उपशरदम्।

(2) गणधरोक्तिः।

(3) कोष्णम्।

(4) गव्यः।

(5) पितृव्यः।

(6) पंचकपालः।

(7) गाणधरम्।

प्र. 2. निम्नलिखित रूपों में से किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण अर्थ–प्रस्तुति दें– 15

(1) अन्वध्याङ्भ्यो वसः।

(2) अपवर्गे तृतीया।

(3) साध्वसाधुभ्याम्।

(4) कृति।

(5) उपधाया लघोः।

(6) क्रमो दीर्घः परस्मै।
(7) तक्षः स्वार्थे।

प्र. 3. निम्नलिखित किन्हीं पाँच प्रयोगों में प्रकृति, विग्रह, प्रत्यय एवं प्रत्यय–विधायक सूत्र का निर्देश करें– 05

(1) दाशरथिः।
(2) स्त्रैणम्।
(3) गोमयम्।
(4) ग्रामीणः।
(5) प्रथिमा।
(6) विद्याचंचुः।
(7) माली।

प्र. 4. किन्हीं पाँच प्रयोगों में समास व विग्रह का निर्देश करें– 05

(1) सक्षत्रम्।
(2) संसारातीतः।
(3) कामधुरम्।
(4) पंचसखः।
(5) युवजानिः।
(6) वागर्थौ।
(7) अहिनकुलम्।

प्र. 5. निम्नलिखित दो प्रयोगों में विभक्ति–विधायक सूत्र लिखें– 05

(1) ग्रामम् अधिशेते।
(2) मृदु पचति।
(3) ग्रामं सर्वतः पर्वताः।
(4) मैत्राय रोचते।

प्र. 6. किन्हीं दो रूपों की सिद्धि करें– 07

(1) शोचति
(2) अनंसीत्
(3) आनर्ह
(4) एधांचक्रे।

प्र. 7. किन्हीं दो धातुओं के रूप लिखें– 04

(1) अर्च + दिप्
(2) गम् + णप्
(3) कृष् + तिप्
(4) वृत् + स्यति।

प्र. 8. किन्हीं पाँच वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करें– 05

(1) भाजनेषु जलं वर्तते।
(2) एताः पंच समाः स गुरुं सेवेत।
(3) विद्या ज्ञानं संस्करोति।
(4) सूर्यो मरीचिभिः राजते।
(5) कोमलं मधुरं च ब्रूहि, न तु तीक्ष्णम्।
(6) भृत्येन भारं ग्राममहारयत्।

प्र. 9. किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें– 05

(1) वह भिक्षा मांगे।
(2) राजा विवाद का निर्णय करेगा।
(3) पाप मुझको दुःख देता है।

Discuss the political ideas of Raja Rammohan Ray. Do you agree with the statement that "Raja Rammohan Ray was the founder of Indian Renaissance?"

प्र. 3. गोपाल कृष्ण गोखले के राजनीतिक विचारों का मूल्यांकन कीजिये।

Evaluate the political ideas of Gopal Krishna Gokhale.

अथवा /OR

बाल गंगाधर तिलक के प्रमुख राजनीतिक विचारों की व्याख्या कीजिये।

Discuss the major political ideas of Bal Gangadhar Tilak.

प्र. 4. पं. जवाहरलाल नेहरू के राजनीतिक विचारों की विवेचना कीजिये।

Discuss the political ideas of Pt. Jawaharlal Nehru.

अथवा /OR

गाँधीजी के सत्य और अहिंसा के विचारों का वर्णन कीजिये।

Describe Gandhiji's views on Truth and Non-violence.

प्र. 5. एम एन राय के 'नवमानवतावाद' की धारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain M.N. Roy's theory of 'Neo-Humanism'.

अथवा /OR

डॉ. राममनोहर लोहिया के सामाजिक विचारों का वर्णन करो।

Explain social thoughts of Dr. Ram Manohar Lohia.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

प्रथम पत्र - भारतीय राजनीतिक विचारक

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मनु द्वारा प्रतिपादित 'राज्य के सप्तांग सिद्धान्त' की विवेचना कीजिये।

Discuss Manu's 'Saptang Theory of State'.

अथवा /OR

''कौटिल्य का राजा निरंकुश है, किन्तु स्वेच्छाचारी नहीं।'' विवेचना कीजिए।

"Kautilya's king is absolute, but not autocratic." Discuss.

प्र. 2. स्वामी दयानन्द सरस्वती के सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों का वर्णन कीजिए।

Discuss social and political ideas of Swami Dayanand Saraswati.

अथवा /OR

राजा राममोहन रॉय के राजनीतिक विचारों की विवेचना कीजिये। क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि राजा राममोहन रॉय भारतीय पुनर्जागरण के जनक थे?

Examine the nature and working of the process of judicial review in America.

प्र. 3. इस कथन की विवेचना कीजिए कि ''स्विटजरलैण्ड की संघीय कार्यपालिका विशिष्ट लक्षणयुक्त बहुल कार्यपालिका है।''

Discuss the statement that "The federal executive council in Switzerland is a plural executive with characteristics features.

अथवा /OR

स्विटजरलैण्ड की संघीय सभा के संगठन, कार्यों एवं स्थिति की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

Explain in brief the composition, functions and position of Swiss Federal Assembly.

प्र. 4. जापान के संविधान की विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

Examine salient features of the Constitution of Japan.

अथवा /OR

जापान के संविधान में वर्णित अधिकारों एवं कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिए।

Describe rights and duties incorporated in the constitution of Japan.

प्र. 5. जनवादी चीनी गणराज्य के संविधान (1982) की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the salient features of the constitution (1982) of the people republic of China.

अथवा /OR

जनवादी चीन के राष्ट्राध्यक्ष के कार्यों एवं शक्तियों की व्याख्या कीजिए।

Discuss the functions and powers of the president of the peoples republic of China.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

द्वितीय पत्र - आधुनिक संविधान

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. ब्रिटिश संविधान में अभिसमयों से आप क्या समझते हैं? अभिसमयों का पालन क्यों किया जाता है?

What do you mean by conventions of British constitution? Illustrate them and show why are the conventions obeyed?

अथवा /OR

राजा और राजमुकुट में क्या अन्तर है? राजमुकुट की शक्तियों का वर्णन कीजिए।

What is the difference between King and Crown? Describe the powers of crown.

प्र. 2. ''अमरीकी संविधान शक्ति पृथक्करण और अवरोध एवं सन्तुलन के सिद्धान्तों पर आधारित है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

"American constitution is based on the principles of spearation of powers and cheeks and balances." Examine this statement.

अथवा /OR

संयुक्त राज्य अमरीका में न्यायिक पुनरावलोकन की प्रकृति तथा कार्य-पद्धति की विवेचना कीजिए।

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

प्रथम पत्र – जीवन विज्ञान मूल्यपरक शिक्षा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मूल्य से आप क्या समझते हैं? मूल्यों के वर्गीकरण का वर्णन करें।

What do you mean by Values? Explain the classification of values.

अथवा /OR

वर्तमान में मूल्य शिक्षा की क्या आवश्यकता है? व्याख्या करें।

Describe the need of value education in present time.

प्र. 2. वर्तमान शिक्षा प्रणाली की समस्याओं पर प्रकाश डालें।

Throw light on the problems of present education system.

अथवा /OR

जीवन विज्ञान शिक्षा क्यों अनिवार्य है? स्पष्ट करें तथा मूल्यपरक शिक्षा की शिक्षण विधि की व्याख्या करें।

Why education of Science of Living is essential? Explain and describe the teaching method of Value Education.

प्र. 3. शिक्षा और मुक्ति की अवधारणा की विवेचना करें तथा ''जीवन विज्ञान संवेग नियंत्रण की पद्धति है।'' कैसे? स्पष्ट करें।

Describe the concept of education and Salvation? Explain how science of living is a method for emotional control.

अथवा /OR

स्वस्थ समाज संरचना में जीवन विज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डालें।

Throw light on the role of Science of Living in development of healthy society.

प्र. 4. अनुप्रेक्षा के प्रयोजन एवं आध्यात्मिक–वैज्ञानिक आधार को समझाइये।

Explain the purpose and spiritual-scientific basis of contemplation.

अथवा /OR

सामाजिक मूल्यों को स्पष्ट करें तथा अनुप्रेक्षा की निष्पत्तियाँ लिखें।

Explain the social values in detail and write the results of contemplation.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें।

Write short notes on any two of the following :

(i) प्रामाणिकता / Honesty

(ii) सह–अस्तित्व / Co-existence

(iii) सहिष्णुता / Tolerance

♦♦♦

अथवा /OR

पेशी तंत्र के विकार बताते हुए जीवन विज्ञान द्वारा इनके प्रबन्धन की प्रक्रिया समझाइए।

Explain the problems of muscular system and their management through Science of Living.

प्र. 4. श्वसन तंत्र को विस्तार से समझाइए।

Explain the respiratory system in detail.

अथवा /OR

रोग प्रतिरोधी तंत्र की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

Explain the Immune system in detail.

प्र. 5. आहार की अवधारणा एवं आवश्यकता को बताइए।

Describe the concept and need of food.

अथवा /OR

संतुलित आहार पर एक विस्तृत लेख लिखिए।

Write a detailed note on balance diet.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

द्वितीय पत्र – जीवन विज्ञान एवं स्वास्थ्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के अन्तर्सम्बन्ध को समझाइये।

Explain the interrelations between environment and health.

अथवा /OR

जीवन विज्ञान की स्वास्थ्य संवर्द्धन में भूमिका बताइए।

Describe the role of Science of Living in health development.

प्र. 2. कोशिका का संगठन एवं कार्य बताइए।

Describe the structure and functions of cell.

अथवा /OR

आधि–व्याधि एवं उपाधि को समझाइए।

Explain the physical, mental and emotional diseases.

प्र. 3. अस्थि तंत्र की व्याख्या कीजिए।

Explain the skeleton system.

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : इतिहास

प्रथम पत्र - मध्यकालीन भारत का इतिहास (1206 से 1740 ई.)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. ''इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक था।'' समीक्षा कीजिए।

"Iltutmish was the real founder of Delhi Sultanate" Examine it.

अथवा /OR

अलाउद्दीन खिलजी की आर्थिक नीति की समीक्षा उसकी बाजार नियंत्रण नीति के विशेष सन्दर्भ में कीजिये।

Give an account of Allauddin's economic policy with special reference to his market control policy.

प्र. 2. मुहम्मद तुगलक की योजनाओं का वर्णन कीजिये एवं उनकी असफलता के कारणों का उल्लेख कीजिये।

Explain the schemes of Muhammad Tughlaq and give account for their failure.

अथवा /OR

विजयनगर साम्राज्य पर एक निबन्ध लिखिये।

Write an essay on Vijayanagar Empire.

प्र. 3. शेरशाह के भू राजस्व और सैनिक सुधारों का परीक्षण कीजिये।

Examine the land revenue and army reforms of Sher Shah.

अथवा /OR

हुमायूँ के पतन के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारणों का विश्लेषण कीजिये।

Analyse the main factors responsible for the downfall of Humayun.

प्र. 4. जहाँगीर के शासनकाल में नूरजहाँ गुट के कार्यों की विवेचना कीजिए।

Discuss the role of Nurjahan group during Jehangir's reign.

अथवा /OR

मुगलकाल में स्थापत्य-कला के विकास का वर्णन कीजिए।

Give an account of the development of architecture during the Mughal period.

प्र. 5. मनसबदारी व्यवस्था के गुण-दोषों का वर्णन कीजिए।

Analyse merits and demerits of Mansabdari system.

अथवा /OR

मुगलकालीन व्यापार एवं वाणिज्य की दशा पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the condition of trade and commerce during Mughal period.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : इतिहास

द्वितीय पत्र – राजस्थान के इतिहास का सर्वेक्षण (आरम्भिक काल से 1958 ई. तक)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. कालीबंगा में उत्खनन से प्राप्त सामग्री के आधार पर कालीबंगा सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का विवरण दीजिए।

Describe the salient features of civilization of Kalibanga on the basis of the excavations in Kalibanga.

अथवा /OR

पृथ्वीराज चौहान तृतीय की उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।

Describe the achievement of Prathvi Raj Chauhan-III.

प्र. 2. राजस्थान की सामन्ती प्रथा की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

Discuss the main features of the feudal system of Rajasthan.

अथवा /OR

चितौड़ के विशेष सन्दर्भ में राजस्थान के दुर्ग–स्थापत्य का वर्णन कीजिए।

Describe the fort architecture of Rajasthan with special reference to Chittor.

प्र. 3. महाराजा जसवंतसिंह एवं मुगलों के सम्बन्धों की विवेचना कीजिए।

Discuss the relations of Maharaja Jaswant Singh and Mughals.

अथवा /OR

धार्मिक आन्दोलन में मीरा की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

Examine the role of 'Meera' in the religious movement.

प्र. 4. कोटा और ब्रिटिश भारत सरकार के सम्बन्धों की समीक्षा मुख्य रूप से 1818 ई. की सन्धि के सन्दर्भ में कीजिए।

Examine British relations with Kota, with special reference to the treaties of 1818 A.D.

अथवा /OR

राजस्थान में राजनैतिक चेतना के उदय के क्या कारण थे ?

What were the causes of political awakening in Rajasthan.

प्र. 5. राष्ट्रीय आन्दोलन में मारवाड़ प्रजामण्डल की भूमिका का वर्णन कीजिए।

Describe the role of Marwad Prajamandal in the National Movement.

अथवा /OR

राजस्थान के एकीकरण के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।

Describe the various stages of the integration of Rajasthan.

♦♦♦